Name ... .Roll No..... .....KH

अर्द्धवार्षिक परीक्षा : 2022-23

समय-3.00 घण्टे कक्षा-XII पूर्णांक-90

विषय-सामान्य हिन्दी

खण्ड-क

1. (क) निम्न में से हरिशंकर परसाई का निबंध-संग्रह है- 1
(अ) विचार प्रवाह (ब) प्रस्तुत प्रश्न (स) पृथ्वीपुत्र (द) तबकी बात और थी

(ख) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' किस विधा की रचना है- 1
(अ) निबंध (ब) उपन्यास (स) रेखाचित्र (द) आत्मकथा

(ग) 'आचरण की सभ्यता' निबंध के लेखक हैं- 1
(अ)सरदार पूर्णसिंह (ब) हरिशंकर परसाई (स) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (द) मोहन राकेश

(घ) हिन्दी का प्रथम मौलिक उपन्यास कौन-सा है- 1
(अ) आनन्दमठ (ब) परीक्षा गुरू (स) गबन (द) तितली

(ङ) 'आनन्द कादम्बिनी' पत्र के सम्पादक थे- 1
(अ) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (ब) बदरी नारायण चौधरी 'प्रेमघन'
(स) राय कृष्णदास (द) धर्मवीर भारती

2. (क) भक्तिकाल की रचना है- 1
(अ) साकेत (ब) विनय पत्रिका (स) लहर (द) प्रेम-माधुरी

(ख) किस कवि को राष्ट्रकवि का सम्मान प्राप्त हुआ। 1
(अ) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (ब) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
(स) सुभद्रा कु0 चौहान (द) मैथिलीशरण गुप्त

(ग) 'चिदम्बरा' पर ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ है- 1
(अ) मैथिलीशरण गुप्त को (ब) सुमित्रानन्दन पंत को
(स) अयोध्या सिंह उपाध्याय को (द) रामधारी सिंह 'दिनकर' को

(घ) 'पाणिनि कालीन भारत' शोध ग्रन्थ के लेखक हैं- 1
(अ) डा0 वासुदेवशरण अग्रवाल (ब) रामकुमार वर्मा
(स) भगवतीचरण वर्मा (द) जैनेन्द्र

(ङ) डा0 हजारी प्रसाद द्विवेदी की अनूदित रचना है- 1
(अ)विश्व-परिचय (ब) विचार-विमर्श (स) विचार-विवेचन (द) विस्मृत-यात्री

3. दिए गए गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 5x2

पृथ्वी के विशाल प्रांगण में सब जातियों के लिए समान क्षेत्र है समन्वय के मार्ग से भरपूर प्रगति और उन्नति करने का सबको एक जैसा अधिकार है। किसी जन को पीछे छोड़कर राष्ट्र आगे नहीं बढ़ सकता। अतएव राष्ट्र के प्रत्येक अंग की सुध हमें लेनी होगी। राष्ट्र के शरीर के एक भाग में यदि अंधकार और निर्बलता का निवास है तो समग्र राष्ट्र का स्वास्थ्य उतने अंश में असमर्थ रहेगा। इस प्रकार समग्र राष्ट्र को जागरण और प्रगति की एक जैसी उदार भावना से संचालित होना चाहिए।

P.T.O.

modelpaper.info

(क) गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।
(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(ग) पृथ्वी के विशाल प्रांगण में सबको एक जैसा समान अधिकार किस दृष्टि से प्राप्त है?
(घ) हमें राष्ट्र के प्रत्येक अंग की सुध क्यों लेनी होगी?
(ङ) समस्त देशवासियों को एक जैसी उदार भावना से संचालित क्यों होना चाहिए?

(अथवा) मगर उदास होना भी बेकार है। अशोक आज भी उसी मौन में है, जिसमें आज से दो हजार वर्ष पहले था। कहीं भी तो कुछ नहीं बिगड़ा है, कुछ भी तो नहीं बदला है। बदली है मनुष्य की मनोवृत्ति। यदि बदले बिना वह आगे बढ़ सकती तो शायद वह भी नहीं बदलती। और यदि वह न बदलती और अवसायिक संघर्ष आरम्भ हो जाता-मशीन का रथ घर्घर चल पड़ता-विज्ञान का सावेग धावन चल निकलता, तो बड़ा बुरा होता।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए।
(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(ग) लेखक की दृष्टि में उदास होना भी क्यों बेकार है?
(घ) अशोक आज भी किस अवस्था में है?
(ङ) प्रस्तुत गद्यांश में लेखक ने किसकी बदलती मनोवृत्ति के परिणाम की विवेचना की है?

4. **दिए गए पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 5x2**

तदनन्तर बैठी सभा उटज के आगे, नीले वितान के तले दीप बहु जागे।
टकटकी लगाए नयन सुरों के थे वे, परणामोंत्सुक उन भयातुरों के थे वे।
उत्फुल्ल करौंदी-कुंज वायु रह-रहकर, करती थी सबको पुलक-पूर्ण मह-महकर।

(क) प्रस्तुत पद्यांश का संदर्भ लिखिए।
(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(ग) पुलक-पूर्ण मह-महकर में कौन-सा अलंकार है?
(घ) परिणाम जानने के लिए कौन उत्सुक थे?
(ङ) आकाश में तारों को देखकर कैसा प्रतीत हो रहा था?

(अथवा) दुःख की पिछली रजनी बीत, विकसता सुख का नवल प्रभात
एक परदा यह झीना नील, छिपाए है जिसमें सुख गात
जिसे तुम समझे हो अभिशाप, जगत की ज्वालाओं का मूल,
ईश का वह रहस्य वरदान कभी मत इसको जाओ भूल।''

(क) उपर्युक्त पद्यांश का संदर्भ लिखिए।
(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(ग) इन पंक्तियों में श्रद्धा किसके हताश मन को प्रेरणा दे रही है?
(घ) यहाँ शाप समझे जाने वाले दुःख के संदर्भ में क्या कहा गया है?
(ङ) मनुष्य को क्या नहीं भूलना चाहिए?

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)
(अ) वासुदेव शरण अग्रवाल (ब) डा0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
(स) प्रो0 जी सुन्दर रेड्डी 4

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 4
(अ) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' (ब) मैथिलीशरण गुप्त

(स) सुमित्रानन्दन पंत

6. 'ध्रुवयात्रा' अथवा 'बहादुर' कहानी का सारांश लिखिए। 4
(अथवा) पंचलाइट' अथवा 'बहादुर' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

7. 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'दुर्योधन' का चित्रांकन कीजिए। 4
(अथवा) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु लिखिए।

खण्ड-ख

8. (क) **दिए गए संस्कृत गद्यांश में से किसी एक का ससंदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए। 5**

याज्ञवल्क्य उवाच-नवा अरे मैत्रेयिः पत्युः कामाय पतिः प्रियोभवति। आत्मनस्तु वै कामाय पतिः प्रियो भवति। न वा अरे, जायायाः कामाय जाया प्रिया भवति, आत्मनस्तु वै कामाय जाया प्रिया भवति। न वा अरे, पुत्रस्य वित्तस्य च कामाय पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय पुत्रो त्तिं वा प्रियं भवति। न वा अरे, सर्वस्य कामाय सर्वं प्रियं भवति, आत्मनस्तु वैकामाय सर्वं प्रियं भवति। तस्माद् आत्मा वा अरे मैत्रेयि। द्रष्टव्यः दर्शनार्थं श्रोतव्यः मन्तव्यः निदिध्यासितअश्च। आत्मनः खलु दर्शनेन इदं सर्वं विदितं भवति।

(अथवा) धन्योऽयं भारतदेशः यत्र समुल्लसति जनमानस पावनी, भअभावोद-भावनी, शब्द-संदोह-प्रसविनी सुरभारती। विद्यभानेषु निखिलेष्वपि वाङ्मयेषु अस्याः वाङ्मयं सर्वश्रेष्ठ सुसम्पन्नं च वर्तते। इयमेव भाषा संस्कृत नाम्नापि लोके द्रथिता अस्ति। अस्माकं रामायणा-महाभारताद्यैतिहासिक ग्रन्थाः, चत्वारो वेदाः, सर्वा उपनिषदः अष्टादशपुराणि, अन्यानिच महाकाअ नाट्यादीनि अस्यामेव भाषायां लिखितानि सन्ति। इयमेव भाषा सर्वासामार्यभाषाणां जननीति मन्यते भाषा तत्वविद्भिः। संस्कृतस्य गौरवं बहुविधिज्ञानाश्रयत्वं आपकत्वं च न कस्यापि दृष्टे रविषयः। संस्कृतस्य गौरवमेव दृष्टि पथमानीय सम्यगुक्त माचार्य प्रवरेण दण्डिना- संस्कृतं नाम दैवी वागन्वाख्याता महर्षिभिः।

(ख) **दिए गए श्लोकों में से किसी एक का ससंदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए।4**

परोक्षे कार्य हन्तारं प्रत्यक्षे प्रियवादिनम्।
बर्जयेत्तादृशं मित्रं विषकुभ्भं पयोमुखम्।।
(अथवा) न मे रोचते भद्रं व उलूकस्याभिषेचनम्।
अक्रुद्धस्य मुखं पश्य कथं क्रुद्धो भविष्यति।।

9. **निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए। 1+1**

(क) अधजल गगरी छलकत जाय (ख) बाल की खाल निकालाना
(ग) गागर में सागर भरना (घ) दीवार के भी कान होते हैं।

10. (क) निम्न शब्दों के संधि विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए।

1. सुखार्थिनः का सही संधि-विच्छेद है। 1
(अ) सुख+अर्थिनः (ब) सुखा+अर्थिनः
(स) सुख+आर्थिनः (द) सुखार + थिनः

2. उभावपि का सही संधि-विच्छेद है। 1
(अ) उभौ+उपि (ब)उभा+वपि (स) उभ+औपि (द) उभ् +औपि

3. मध्यवरिः का सही संधि-विच्छेद है। 1

(अ) मध +वरिः (ब) मधु+अरिः (स) म+ध्वरिः (द) मध्व+रिः

(ख) दिए गए निम्न शब्दों की विभक्ति और वचन के अनुसार सही विकल्प का चयन कीजिए।

1. **'आत्मसु' शब्द में विभक्ति और वचन है।** 1
   (अ) सप्तमी विभक्ति बहुवचन (ब) चतुर्थी विभक्ति द्विवचन
   (स) षष्ठी विभक्ति एकवचन (द) द्वितीया विभक्ति एकवचन
2. **'राजनि' शब्द में विभक्ति और वचन है-** 1
   (अ) पंचमी विभक्ति एकवचन (ब) षष्ठी विभक्ति द्विवचन
   (स) सप्तमी विभक्ति बहुवचन (द) सप्तमी विभक्ति एकवचन

11. (क) निम्न शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए।
1. **अविराम-अभिराम** 1
   (अ) लगातार और रूचिकर (ब) बिना रोक के और सुन्दर
   (स) अनवरत और आकर्षक (द) सुन्दर और आकर्षक
2. **आदि-आदी** 1
   (अ) सब और आंतवाला (ब) प्रारम्भ और आदत वाला
   (स) आंधी और खाने वाला (द) आना और रूकना

(ख) **निम्न शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए।** 1
(अ) वारिद (ब) तम (स) खग

(ग) निम्न वाक्यांशों के लिए एक शब्द का चयन करके लिखिए।
1. **जनता द्वारा संचालित शासन** 1
   (अ) लोकतंत्र (ब) निरंकुश शासन (स) राजतंत्र (द) नौकरशाही
2. **पैर से सिर तक** 1
   (अ) विकलांग (ब) आपादमस्तक (स) श्रवणेच्छ (द) अनाछूत

(घ) **निम्न में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए।** 2
(अ) वे दोनों पत्र लिखने को बैठे
(ब) कृपया मेरे सामानों पर निगाह रखना
(स) सूर्य पूरब से निकलता था।
(द) कृष्णा और राधा नृत्य कर रहे हैं।

12. (क) 'करूण' अथवा 'वीर रस' का लक्षण और उदाहरण लिखिए। 1+1
(ख) 'यमक' अथवा 'रूपक' अलंकार का लक्षण और उदाहरण लिखिए।1+1
(ग) चौपाई अथवा सोरठा छन्द का लक्षण और उदाहरण लिखिए।1+1

13. किसी दैनिक-पत्र के सम्पादक के नाम एक पत्र लिखिए, जिसमें मुहल्ले की गंदगी दूर करने के लिए स्वास्थ्य अधिकारी से प्रार्थना की गई हो। 6
अथवा) किसी बैंक की स्थानीय शाखा के प्रबंधक को अपनी पुस्तक की दुकान खोलने के लिए ऋण प्राप्ति हेतु एक आवेदन पत्र लिखिए।

14. निम्न विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा शैली में निबंध लिखिए।8
(क) वन-सम्पदा और उसकी उपयोगिता (ख) पर्यावरण प्रदूषण
(ग) दहेज प्रथा-अतीत और वर्तमान (घ) इण्टरनेट : लाभ और हानियाँ
(ङ) आधुनिक जीवन की समस्यायें और समाधान

❖❖❖

modelpaper.info